# Home

माँ की भूमिका और माँ का मन, इस बारे में आपको मै तो क्या कोई भी नहीं समझा सकता| लेकिन उस माँ के ऊपर में कुछ बाते लिखकर उस माँ के नाम सरहाना चाहता हूँ उस माँ की गुणवत्ता के कुछ गुण आप सबके सामने रखना चाहता हूँ.

माँ ना होती तो हम ना होते, माँ के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते| में शुक्रगुजार हूँ उस माँ का जिस माँ ने मुझे इस दुनिया में लेकर आने का कष्ट उठाया.

एक माँ इस दुनिया में हर चीज त्यागकर सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चे से सबसे ज्यादा प्यार करती है| वो अपने बच्चे के लिए हर मुसीबत से लड़ना जानती है, वो माँ जो कभी घर से भार भी नहीं जाती, जो किसी से फालतू मतलब नहीं रखती, जो कम बोलती हो, जो डरी सहमी सी रहती हो वो माँ भी अपने बच्चे के ऊपर आती आंच को देखकर कुछ भी कर गुज़रने को त्यार हो जाती है| ऐसी होती है.

माँ पूरी जिंदगी अपने परिवार और अपने बच्चों के ऊपर अपना जीवन समर्पित कर देती है, अपने पति के सम्मान के लिए झुकती है, अपने बच्चों में आदर्श और गुण इक्क्ठे करने के लिए खुद का बलिदान करती है, **ऐसी होती है माँ..!**